जीवन परिचय

प्रो.आनंद मिश्र
डी.लिट्

मध्य प्रदेश के प्रमुख इतिहासकार प्रो.आनंद मिश्र बहुमुखी प्रतिभा के धनी हैं। आपका जन्म 5 अगस्त 1956 को डबरा जिला ग्वालियर में हुआ। प्रो.मिश्र ने अपनी प्रारम्भिक शिक्षा डबरा नगर में ही प्रारम्भ की । तत्पश्चात आपने एम.एल.बी.शासकीय महाविद्यालय, ग्वालियर से एम.ए. (इतिहास) प्रथम श्रेणी में तथा एल.एल.बी. की उपाधि प्राप्त की।

सन् 1987 में जीवाजी विश्वविद्यालय ने आपको पी–एच.डी. की उपाधि प्रदान की। इसके उपरान्त आपने आगरा विश्वविद्यालय, आगरा से डी.लिट्. की उपाधि प्राप्त की। डॉ.मिश्र ने मराठा राजपूत सम्बन्ध, ग्वालियर राज्य का आर्थिक इतिहास, दुर्ग एवं गढ़िया तथा मध्यकालीन नरवर जैसे अमूल्य शोध ग्रन्थों का लेखन किया। आपके सम्पादन में ‘‘भारतीय लोकतन्त्र का केन्द्रबिन्दु विधायक युगयुगीन ग्वालियर पंचमहल की विरासत का सम्पादन किया। आपने सन् 1991 में म.प्र. इतिहास परिषद का प्रान्तीय अधिवेशन सफलतापूर्वक सम्पन्न कराया। आने दस राष्ट्रीय शोध संगोष्टियों को सफलतापूर्वक कर अद्भुत संगठन कार्यक्षमता का तथा बहुमुखी प्रतिभा का परिचय दिया। आपने चार लघु शोध परियोजनाएँ पूरी की। आपने सन् 1983 में पी.जी.शासकीय महाविद्यालय, डबरा में इतिहास विभाग में 25 वर्षो से अधिक समय अध्यापन कार्य किया।

आप इतिहास अध्ययन मंडल वि.वि. के अध्यक्ष रहे हैं तथा अ.भा. इतिहास संकलन समिति के राष्ट्रीय मंत्री हैं। डॉ.मिश्र के कुशल मार्गदर्शन में लगभग एक दर्जन शोधार्थीयों ने अपना शोध कार्य पूर्ण कर पी–एच.डी. की उपाधि प्राप्त की।

वर्तमान में आपके मार्गदर्शन में आठ शोधार्थी शोध कार्य कर रहे हैं। आपने 5 वर्षों से अधिक समय कुलसचिव, जीवाजी विश्वविद्यालय में कार्य कर अपनी प्रशासनिक क्षमताओं का परिचय दिया। वर्तमान में आप कुलसचिव, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर हैं। आपको म.प्र.शासन के उच्च शिक्षा विभाग ने उत्कृष्ट प्रशासनिक सेवाओं के लिये प्रशस्ति पत्र भेंट किया है।